भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या:3414

दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कोरोना महामारी से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं

†3414. श्री अशोक कुमार रावतः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कोरोना महामारी के कारण देश में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कुल कितने मामले केंद्र सरकार के पास आए हैं;

(ख) क्या सरकार ने देश में उक्त स्वास्थ्य समस्या के समाधान के लिए कोई योजना बनाई है; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): देश में कोरोना महामारी के कारण मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित मामलों का ब्यौरा केन्द्रीय स्तर पर नहीं रखा जाता है।

तथापि, लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 के प्रभाव को समझते हुए, सरकार ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें शामिल हैं -

(i) मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा, बच्चों, वयस्कों, बुजुर्गों, महिलाओं और स्वास्थ्य सेवा कर्मियों जैसे विभिन्न लक्षित समूहों में विभाजित, संपूर्ण प्रभावित आबादी को मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए एक 24/7 हेल्पलाइन की स्थापना।

(ii) समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रबंधन पर दिशानिर्देश/एडवाइज़री जारी करना।

(iii) तनाव और चिंता के प्रबंधन पर रचनात्मक और दृश्य-श्रव्य सामग्री के रूप में विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रचार-प्रसार करना और सभी के लिए सहायता और देखभाल के वातावरण को बढ़ावा देना।

(iv) राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस), बेंगलुरु द्वारा "कोविड-19 महामारी के समय में मानसिक स्वास्थ्य - सामान्य चिकित्सा और विशिष्ट मानसिक स्वास्थ्य देखभाल स्थापनाओं के लिए मार्गदर्शन" पर विस्तृत दिशानिर्देश जारी करना और उनका प्रसार करना।

(v) सभी दिशानिर्देश, एडवाइज़री और प्रचार-प्रसार सामग्री स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट "व्यवहारिक स्वास्थ्य - मनोसामाजिक हेल्पलाइन" (https://www.mohfw.gov.in/) पर देखी जा सकती है।

(vi) (आईजीओटी)-दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से मनोसामाजिक सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करने में निम्हांस द्वारा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की ऑनलाइन क्षमता निर्माण.

इसके अलावा, सरकार ने देश में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक उपाय किए हैं, जिनमें कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याएं भी शामिल हैं।.

- सरकार देश में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) का क्रियान्वयन कर रही है। एनएमएचपी के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) घटक को 767 जिलों में कार्यान्वयन हेतु स्वीकृत किया गया है, जिसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान की जाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्तर पर डीएमएचपी के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं में बहिरंग रोगी सेवाएँ, मूल्यांकन, परामर्श/मनो-सामाजिक हस्तक्षेप, गंभीर मानसिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों की निरंतर देखभाल और सहायता, दवाइयाँ, आउटरीच सेवाएँ, एम्बुलेंस सेवाएँ आदि शामिल हैं। उपरोक्त सेवाओं के अतिरिक्त, जिला स्तर पर 10 बिस्तरों वाली अंतरंग रोगी सुविधा का प्रावधान है।.

- सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए भी कदम उठा रही है। सरकार ने 1.77 लाख से अधिक उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में उन्नत किया है। इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रदान की जाने वाली व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के अंतर्गत सेवाओं के पैकेज में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी शामिल किया गया है। आयुष्मान भारत के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मानसिक, तंत्रिका संबंधी और मादक पदार्थों के सेवन संबंधी विकारों (एमएनएस) पर विभिन्न संवर्गों के लिए परिचालन दिशानिर्देश और प्रशिक्षण मैनुअल जारी किए गए हैं।.

- उपरोक्त के अलावा, सरकार ने देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और देखभाल सेवाओं तक पहुँच को और बेहतर बनाने के लिए 10 अक्टूबर, 2022 को "राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" शुरू किया है। 31.07.2025 की स्थिति के अनुसार, 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने 53 टेली मानस प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और टेली मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ शुरू की हैं। हेल्पलाइन नंबर पर लगभग 24 लाख कॉलों का समाधान किया गया है।.

- सरकार ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस - 10 अक्टूबर, 2024 के अवसर पर टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन भी लॉन्च किया है। टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन एक व्यापक मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म है जिसे मानसिक स्वास्थ्य से लेकर मानसिक विकारों तक, सभी प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। सरकार ने पहले से मौजूद ऑडियो कॉलिंग सुविधा के एक और अपग्रेड के रूप में, टेली-मानस के अंतर्गत वीडियो परामर्श सुविधा भी शुरू की है।

*****